(e) Controlling Sexually Transmitted Diseases.

An infrastructure for Prevention and Control activities has been established in the country; awareness programme has been launched with help of Doordarshan, Radio and Advertising Campaigns; 504 STD Clinics have been equipped; 815 Blood Banks have been taken up for modernisation; National and State Blood Transfusion Councils have been established; Surveillance activities with the help of 62 Surveillance Centres and 55 Sentinel Sites are being monitored and all the States are participating in the implementation of the approved scheme.

All this goes to show that the AIDS Control Programme is properly focussed to address the problem in its various aspects.

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता

1766. **श्री अजीत जोगी:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में स्वास्थ्य कार्यक्रमों को वांछित सफलता मिली है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके प्रमुख कारण क्या हैं; और

(ग) इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सरकार की भावी योजना क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका चौधरी): (क) और (ख) विभिन्न राष्ट्रीयकृत कार्यक्रमों जिनसे विभिन्न संचारी और गैर-संचारी रोगों द्वारा देश में हुई रूग्णता दर और मृत्यु दर की घटना को कम करने में मदद मिली है, के कार्यान्वयन के जरिए महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। कुष्ठ रोग की व्यापकता 1981 में प्रति हजार जनसंख्या पर 57.3 से कम होकर मार्च, 1997 तक 5.8 हो गई है। मलेरिया के मामलों की संख्या 1976 में 6.97 मिलियन से कम होकर 1994 में 2.51 मिलियन हो गई है। क्षय रोग से होने वाली मृत्यु दर 1970 में 80 प्रति लाख जनसंख्या से घटकर 1993 में 53 हो गई है। दृष्टिहीनता नियंत्रण के प्रयत्न में किए गए 1990-91 के दौरान 11.97 लाख मोतियाबिन्द आपरेशनों के मुकाबले 1996-97 के दौरान 27.30 लाख मोतियाबिन्द के आपरेशन किए गए।

स्वास्थ्य सेवा, खासकर निवारक उपाय से लाभ उठाने में लोगों के बीच जागरूकता की कमी, कुछेक क्षेत्रों का दूरस्थ होना, निरक्षरता, गरीबी और मुख्य पदों का न भरा जाना, कुछ मामलों में लक्ष्यों के न प्राप्त होने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। किए गए प्रयत्नों से अब ये बाधाएं कम हो गई हैं।

(ग) प्राप्त अनुभव को देखते हुए विभिन्न उपाय प्रारंभ किए गए हैं; उदाहरणार्थ—

I. स्कीमों तथा कार्यक्रमों का निरन्तर अनुवीक्षण तथा समीक्षा करना।

II. बेहतर कार्यनिष्पादन वाले राज्यों के अनुभव से निम्न कार्यनिष्पादन वाले राज्यों को अवगत कराना ताकि उनमें सुधार हो सके।

III. यथासंभव बाह्य सहायता का लाभ उठाकर संसाधनों में बढ़ोतरी करना।

IV. लोगों के ज्ञान और प्रथा के आधार पर सूचना, शिक्षा और संचार की विकसित तकनीक अपनाना।

V. खास कर उन क्षेत्रों में समुदाय की व्यापक सहभागिता के लिए कार्य करना जहां ग्रामीण और स्लम बस्ती के लोग अपनी निवारक स्वास्थ्य परिचर्या की व्यवस्था कर सकें।

Banning the use of Colours in Food Articles

1767. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the use of colours in food articles has been posing health hazard;

(b) if so, whether there is a persistent demand to ban the use of colours in food articles and to bring necessary changes in the Food Adulteration Act; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) Use of permitted synthetic food colours in specific food items listed in Rule 28 of Prevention of Food Adulteration Rule, 1955 has been documented to be safe by FAO/WHO within their Acceptable Daily Intake (ADI) limit.

(b) and (c) A Core Group of experts constituted to review the use of synthetic food colours in Food Products have examined the issue in detail. The Group has *inter-alia* suggested an all India Coordinated Project to assess overall intake of different food colours through different sources of food.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सुपर बाजार में दवाओं की कमी

1768. **श्री अखिलेश दास:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में स्थित सुपर बाजार में जीवन रक्षक दवाओं तथा अन्य दवाओं की हमेशा कमी रहती है;

(ख) यदि हां, तो इस कमी को दूर करने के लिए क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं;

(ग) सुपर बाजार में दवाओं के उपलब्ध न होने के संबंध में हाल ही में प्रधान मंत्री से की गई शिकायत के संबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा क्या व्यवस्था की गई और क्या निर्धारित दवाओं की उपलब्धता सामान्य हो गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका चौधरी): (क) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने सूचित किया है कि ऐसे मौके आते रहे हैं जब सुपर बाजार की उनकी स्थानीय शाखा अपेक्षित औषधों की सप्लाई करने में असमर्थ रही।

(ख) से (घ) समय-समय पर संस्थान ने इस मामले को अधिकारिक तौर पर और बैठकों के जरिए सुपर बाजार प्राधिकारियों के साथ उठाया है। इस वर्ष मई में माननीय प्रधान मंत्री के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दौरे के दौरान भी इस मामले को स्पष्ट किया गया था। व्यवस्थाओं की अपर्याप्तता को सुपर बाजार के प्रभारी प्राधिकारियों के साथ उठाया गया था जिन्होंने अब सूचित किया है कि दवाईयों की उपलब्धता का अनुवीक्षण करने के लिए एक तंत्र स्थापित कर दिया गया है और इसकी दक्षता में सुधार करने के लिए कम्प्यूटर सेवाओं के माध्यम से इसकी संवीक्षा भी की जा रही है। इस स्थिति पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है ताकि यह देखा जा सके कि रोगियों को असुविधा न हो और जरूरत के अनुसार उपचारात्मक उपाय शुरू किए जाएं।

Scam in the purchase of Drugs and Medical Equipment in Bihar

1769. **SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA:** Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that another scam, involving about Rs. 200 crores, relating to purchase of drugs and medical equipment has been reported in Bihar;

(b) if so, whether it is out of Central Funds or State Funds and how much amount was sanctioned and how much was actually spent during each of the last three years for the purchase of drugs and medical equipment, separately, on Central and State accounts; and

(c) what action Government are taking or propose to take to probe the aforasaid scam; if no action is proposed, the reasons therefor?;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) to (c) According to the Comptroller and Auditor General's Audit Report for the year ended 31st March, 1996, some irregularitites and funds were noticed in procurement of medicines from Medical Stores Depot Calcutta and also from local market by Government of Bihar. The irregularities noticed in Audit and features in the abvoe Audit Report relate to expenditure met from State Government funds.

It is for the State Government to take appropriate, action to probe the irregularities to ascertain what loss has been caused. As far as the role of Medical Store Depot, Calcutta is concerned, necessary action will be taken by Central Government to investigate the matter.